Vol XI 2022

ISSN : 2250-2653

RESEARCH FRONTS

A Peer Reviewed Journal of Multiple Sciences, Arts & Commerce

Vol XI 2022 RESEARCH FRONTS ISSN : 2250-2653

Research Fronts Vol. XI , 2022 ISSN 2250-2653

A Peer Reviewed Journal of Multiple Sciences , Arts and Commerce

Registered with

Government Digvijay Autonomous P.G. College Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

Copyright – no part of the content(s) of the volume us allowed to be reproduce without the prior permission of the Govt. Digvijay Auto. P.G. College Rajnandgaon (C.G.)

Chief Editor

Dr. K. L. Tandekar, Principal & Patron

Government Digvijay Autonomous P.G. College Rajnandgaon, Chhattisgarh

Editorial Board

Dr. Shailendra Bharal, Prof. Commerce, Vikram University Ujjain

Dr. Vinod Sen, Ass. Prof. Economics, IGNTU, Amarkantak

Dr. Gaour Gopal Banik, Assot. Prof. Accountancy, Commerce college Guahati

Dr. Jitendra Ramteke, Prof. and Head, Department of Physics, S M Mohota College of Science, Nagpur (MS)

Dr. Anima Nanda, Dean, Bio and chemical engineering, Satyabhama, Institute of Science and Technology (Deemed to be university) Chennai 600119

Prof Manoj Kumar Sinha, Department of Geography, Patna university.

Dr. Pramod Kumar Mahish, Department of Biotechnology, Govt. Digvijay College Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

Dr. Keshaw Ram Adil, Department of Botany, Govt. Digvijay College Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

Prof. (Asst.) Ragini Parate, Asst. Professor of Commerce, Govt. Digvijay College Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

Board of Advisors

Prof. M. K. Verma, Vice Chancellor, Chhattisgarh Swami Vivekanand Technical University Durg, India.

Dr. S. K. Jadhav, Professor of Biotech. , Pt. Ravishankar Shukla University Raipur

Dr. P. R. Chandel, Principal Govt. PG College Chhindwada (M.P.)

Prof. Adhikesh Rai, Deal faculty of Commerce, Rani Durgawati University Indore

Dr. Ravindra Bramhe, Professor of Economics, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, Chhattisgarh, India

Dr. R. P. Patel, Professor, Department of Physics, Guru Ghasidas Central University, Bilaspur (C.G.)

Managing Editor

Prof. (Asst.) Raju Khunttey, rajugdcr@gmail.com

Published by

Government Digvijay Autonomous P.G. College Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

Contents

S. No.	Title	Author(s)	Pages
1	Prof. Mohd. Firoz Khan: Scholarship and Simplicity is Thy Name	*Mumtaz Khan*	1 - 4
2	Assessment of Welfare Schemes for Educational Development A case study of the SC Population of Birbhum District, West Bengal	*Somnath Majhi and Sudhir Malakar*	5 - 17
3	Diversity of Rotifera in Kapileshwar lake, Ashti, Di-Wardha (M.S.)	*S.S. Nimgare and U.W. Fule*	18 - 24
4	कालिक बाजार केन्द्रों की स्थानिक–कालिक संगठन	*डुमन साहू और कृष्णनन्दन प्रसाद*	25 - 45
5	बी.एड. प्रषिक्षार्थियों के सृजनात्मक षिक्षण अभिवृत्ति पर अध्ययन	*नीतू सिंह, डॉ. निषा श्रीवास्तव*	46 - 51
6	Eco-revolution through Minor forest-based products in the state of Chhattisgarh	*Madhu Yadav and D.P. Kurre*	52 - 67
7	वित्त आयोग की ग्राम पंचायत के विकास में भूमिका	*रागिनीए के. एल. टांडेकर*	68 - 73
8	*छत्तीसगढ़ी कविता में जनजागरण (लक्ष्मण मस्तुरिया के संदर्भ में)*	कैलाश कुमार, शंकरमुनि राय	74 - 82
9	Somatogenic Properties of Soil In Relation To Microwave Remote Sensing	*A. K. Shrivastava & S. K. Patel*	83 - 94
10	कांट, कृ.च.भट्टाचार्य तथा योग	*हरनाम सिंह अलरेजा*	95 - 98

कालिक बाजार केन्द्रों की स्थानिक–कालिक संगठन

डुमन साहू और कृष्णनन्दन प्रसाद

Affiliation:
भूगोल विभाग, शा. दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनंदगांव (छ. ग.)

Corresponding Author:
कृष्णनन्दन प्रसाद
krishnanandan112@gmail.com

Abstract:

भारत के लगभग सभी प्रदेशों में कालिक बाजार का अस्तित्व है. इसके कारण शहर तो शहर दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थानीय जनसँख्या की जरूरतों को कालिक बाजार के माध्यम से पूरा किया जाता है. इसी को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के कालिक बाजार केन्द्रों की स्थानिक सामायिक संगठन को अध्ययन के लिए चुना गया है. यह अध्ययन द्वितीयक एवं प्राथमिक दोनों तरह के आंकड़ों पर आधारित है. नगर पालिक निगम से *2015–16* में कालिक बाजारों की संख्या, इनके लगने वाले स्थानों की जानकारी, बाजार लगने वाले दिन और उनकी बारंबारता तथा संरचित अनुसूची के माध्यम से आंकड़ों का संग्रहण किया गया है. आंकड़ों के विश्लेषण में निकटतम पडोसी विधि, काई परिक्षण, विधि, मानचित्र विधि का उपयोग किया गया है.

अध्ययन निम्नांकित तथ्यों को उजागर करता है दृ एक. कालिक बाजार केन्द्रों का वितरण यादृश्चिक प्रतिरूप (त्ंदकवउ च्ंजजमतद) का है, दो. कालिक बाजार के दो रूपों (साप्ताहिक और अर्धसप्ताहिक) का अनुपात *2:1* (*69.23* और *30.7* प्रतिशत) है. तीन कालिक बाजार केन्द्रों पर जनसँख्या घनत्व उच्चतम से न्यूनतम कुल पांच वर्गों में पाया गया.

Keywords:
कालिक बाजार, वितरण प्रतिरूप, जनसँख्या घनत्व, निकटम पडोसी विधि, काई वर्ग, साप्ताहिक और अर्धसप्ताहिक बाजार

प्रस्तावना

कालिक बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति एवं विकासविनमय प्रणाली के माध्यम से क्रेता एवं विक्रेताओं का एक–दूसरे से पारस्परिकविनिमय संबंध सेहोता है। सामान्यतः बाजार केन्द्रों में वस्तुओं कीखपत किसी भी बाजार क्षेत्र के प्रवाह उत्पादन क्षेत्र की ओर होता है। बेमेतरा जिला में विनिमय प्रणाली के माध्यम से वस्तुएं उपभोक्ता को प्राप्त होती है। कालिक बाजार केन्द्रों के उत्पत्ति एवं विकास में परिवहन साधन का भी योगदान महत्वपूर्ण होताहैं। बाजार के विकास सड़क मार्ग के माध्यम से क्रेता व विक्रेता के आवगमन के लिए महत्वपूर्ण होता है। कालिक बाजार केन्द्र विक्रेताओं के लिए रोजगार के लिए व्यापारिक केन्द्र के माध्यम से रोजगार में सहायक होती है। विक्रेता स्वयं वस्तुओं का उत्पादन तथा मण्डी से वस्तुएं को खरीद कर क्रेताओं की दैनिक एवं रोजमर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति करनेमें महत्वपूर्ण योगदान होता है। ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश जनसंख्या अनेक प्रकार सब्जियाँ का उत्पादन अपने क्षेत्र में किया जाता है। उसके बाद मण्डी में उचित मूल्य में विनिमय कर परिवार का जीविकोपार्जन के लिए आर्थिक क्रिया–कलाप करता है।

"बाजार किसी निर्धारित स्थल पर वस्तुओं के क्रेताओं और विक्रेताओं का नियमित समयान्तराल पर एक अधिकृत जनसमूह होता है"(हाडर, 1965)। "बाजार केन्द्र व्यवासायिक क्रिया–कलापों के अतिरिक्त विभिन्न वर्गो और सांस्कृतिक एवं धार्मिक सम्प्रदायों के बीच सामाजिक सम्पर्क के महत्वपूर्ण केन्द्र होते है, तथा वे प्रायः धार्मिक क्रिया–कलापों तथा स्थानीय प्रशासन से सम्बन्ध होते हैं" (ब्रोमले, 1973)।"कालिक बाजार केन्द्रों में प्राचीन काल से वर्तमान काल तक बाजार क्रेताओं और विक्रेताओं के माध्यम से विनमय प्रणाली संचालित होती है विक्रेताओं द्वारा क्रेताओं की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। बाजार केन्द्रों पर आर्थिक क्रिया–कलापों कि अतिरिक्त सामाजिक, सांस्कृतिक, क्रिया–कलापों का भी सम्पादन होता है। (श्रीवास्तव, 1997)।"केन्द्रस्थल एवं बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति का कारण परिवारिक इकाई अथवा निकटतम सामाजिक वर्ग की सीमाओं का पारस्परिक आदान–प्रदान अथवा विनिमय की व्यवस्था तथा वितरण प्रणालियों में वस्तुएं उपभोक्ताओं की ओर गतिशील होता है जिसमें स्थानीय रूप से बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति होती हैं" (बेरी, 1967)।

कालिक बाजार केन्द्रकेक्रेता एवं विक्रेता का आर्थिक व सामाजिकविकास में परिवहन के माध्यम का योगदान महत्वपूर्ण होता हैं। बाजार केन्द्र में परिवहन के साधन के माध्यम से समय, स्थान, स्थिति के अनुरूप क्रेता एवं विक्रेता की संख्या में परिवर्तन होता है। कालिक बाजार में क्रेता तथा विक्रेता अपने एक निश्चित उद्देश्य पूर्ति के हेतु केन्द्र स्थल में आगमन होता है ।

कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक वितरण के प्रतिरूप

कालिक बाजार केन्द्रों के वितरण प्रतिरूप को क्षेत्रफल, जनसंख्या एवं आबाद ग्राम के आधार पर ज्ञात किया गया है। इन्दौर जिला (त्रिवेदी, 1997) तथा दक्षिण पश्चिमी मध्य प्रदेश के आदिवासी विपणन केन्द्रों में स्थानिक–कालिक संगठन (त्रिवेदी एवं गुप्ता, 2003) में प्रयक्त विधियों के आधार पर बेमेतरा जिला के कालिक बाजारों के वितरण के प्रतिरूप को प्रयास किया गया है। बेमेतरा जिला के स्थानिक वितरण के प्रतिरूप में मापने के लिए प्रमाण विचलन का प्रयोग किया गया है।

$$\sigma=\sqrt{\frac{\sum(x-\bar{x})^2}{N}}$$

σ = प्रमाण विचलन

$(x-\bar{x})^2$=समांतर माध्य से ज्ञात किये गये विचलनों का वर्ग

N = कुल पद की संख्या

तालिका 2.1

बेमेतरा जिला : कुल जनसंख्या आबाद ग्राम, क्षेत्रफल एवं कालिक बाजार केन्द्र, 2011

क्रं.	विकासखण्ड	जनसंख्या	क्षेत्रफल वर्ग कि.मी.)	आबाद ग्राम	बजार केन्द्र
1	नवागढ़	197081	624.98	188	37
2	बेमेतरा	215624	727.9	187	39
3	बेरला	187376	777.18	137	51
4	साजा	195678	724.86	190	36
योग		795759	2854.81	702	162

स्रोत : भारतीय जनगणना, दुर्ग जिला, 2011

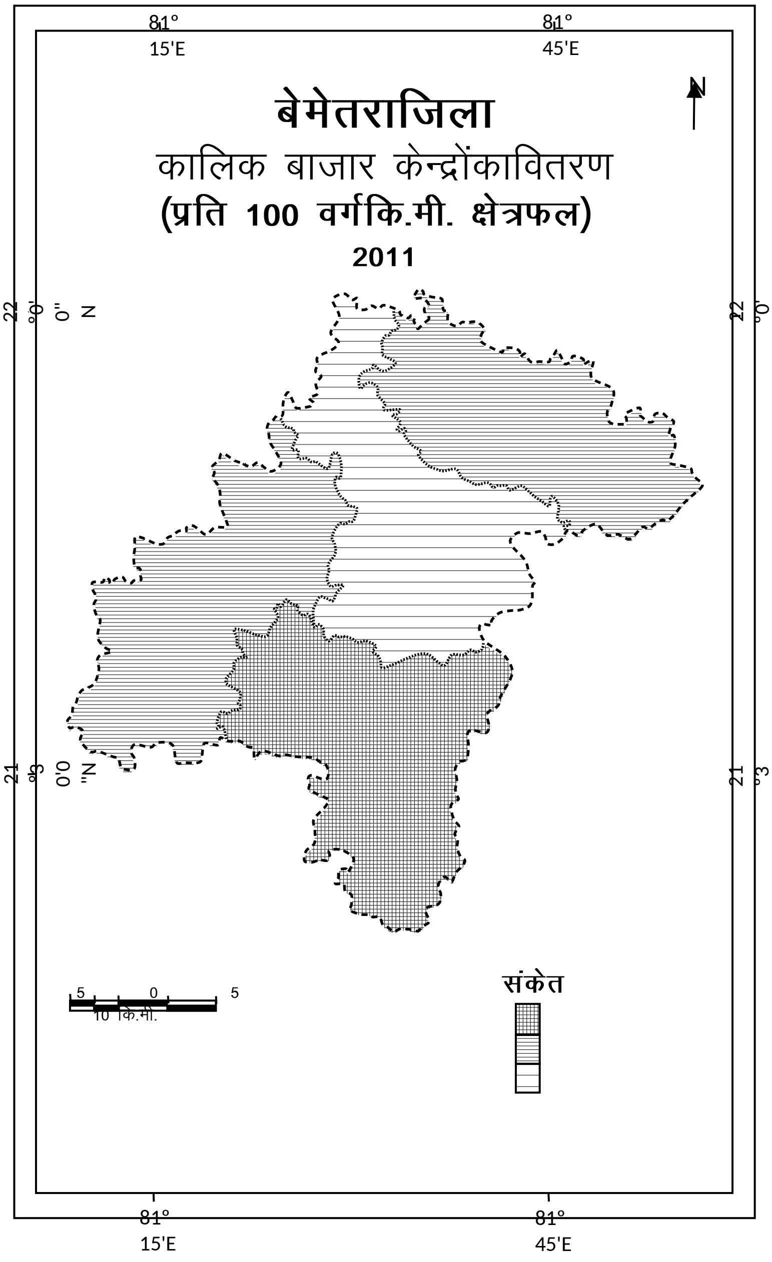

स्रोत : भारतीय जनगणना, दुर्ग जिला, 2011

मनचित्र 2.1

बेमेतरा जिला कह कुल जनसंख्या 795759 व्यक्ति है, जिसमें बेमेतरा विकासखण्ड में सबसे अधिक जनसंख्या215624व्यक्ति है। इसके विपरित बेरला विकासखण्ड में सबसे कम187376व्यक्ति है। बेमेतरा जिला के कुल क्षेत्रफल 2854.81 (वर्ग कि.मी.), है। जिसमें बेरला विकासखण्ड में सबसे अधिक क्षेत्रफल (777.18) वर्ग कि.मी. है। इसके विपरीत नवागढ़ विकासखण्ड में सबसे कम क्षेत्रफल (624.98),वर्ग कि.मी. है। बेमेतरा जिला के कुल आबाद ग्राम की संख्या 702 ग्राम है। जिसमें साजा विकासखण्ड में सबसे अधिक आबाद ग्राम की संख्या(190) है। इसके विपरित बेरला विकासखण्ड में सबसे कम आबाद ग्राम की संख्या (137), है।जिला में कुल कालिक बाजार केन्द्र 162 है। जिसमें बेरला विकासखण्ड में सबसे अधिक कालिक बाजार केन्द्र की संख्या (51) है। इसके विपरित साजा विकासखण्ड में सबसे कम कालिक बाजार केन्द्र की संख्या (36) है(तालिका 2.1)।

क्षेत्रफल : कालिक बाजार केन्द्र का अनुपात

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र मेंप्रति 100वर्ग कि.मी. में एक कालिक बाजार का औसत क्षेत्रफल 5. 70वर्ग कि.मी है। कालिक बाजार केन्द्र में प्रति 100 वर्ग कि.मी. सर्वाधिक औसत के साथ प्रथम स्थान पर बेरला विकासखण्ड तथा साजा विकासखण्ड अन्तिम पायदान पर है (तालिका 2.2)।इस वितरण का मानक विचलन 0.607है(तालिका 2.2)। बेमेतरा जिला में $\bar{x}$-1σ, साजा $\bar{x}$+1σ, नवागढ़ $\bar{x}$+1σ, तथा बेमेतरा $\bar{x}$+2σ में सम्मिलित है। (चित्र क्रमांक 2.1)

तालिका 2.2
बेमेतरा जिला : क्षेत्रफल, जनसंख्या, आबाद ग्राम के आधार पर
कालिक बाजार के अनुपात

क्रं.	विकासखण्ड	बाजार केन्द्र	आबाद ग्राम बाजार केन्द्र प्रति	जनसंख्या बाजार केन्द्र के अनुपात	बाजार केन्द्र क्षेत्रफल (कि.मी)
1	नवागढ़	37	19.60	5.32	5.92
2	बेमेतरा	39	20.85	5.52	5.36
3	बेरला	51	37.22	3.67	6.56
4	साजा	36	17.36	5.43	4.96
औसत अनुपात		40.2	23.75	4.98	5.70
मानक विचलन		6.032	7.81	0.76	0.60

स्रोत : जिला पंचायत बेमेतरा एवं भारतीय जनगणना, दुर्ग जिला, 2011

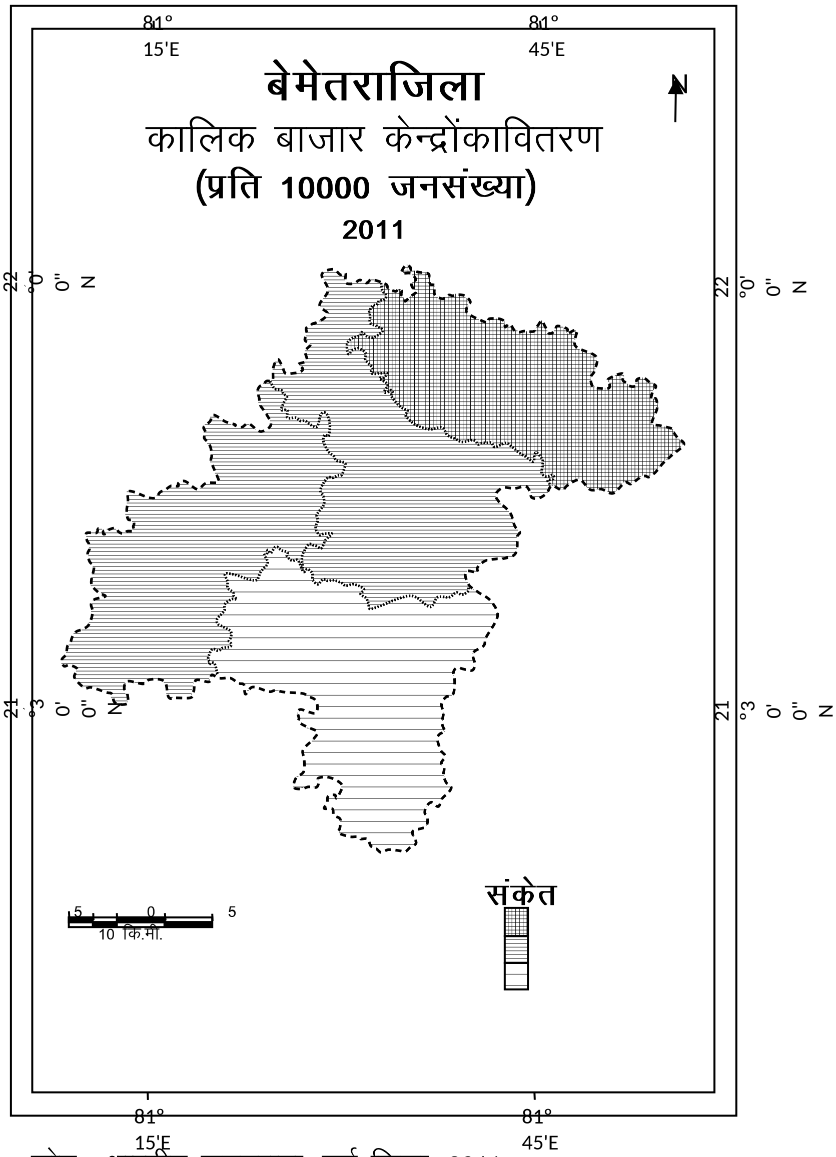

स्रोत : भारतीय जनगणना, दुर्ग जिला, 2011

मानचित्र 2.2

जनसंख्या : कालिक बाजार अनुपात

बेमेतरा जिला के 10000 प्रति जनसंख्या पर कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या के आधार पर औसत अनुपात 4. 98 है (तालिका 2.2)। जिला के प्रति 10000 जनसंख्या पर कालिक बाजार केन्द्र का औसत अनुपात सर्वाधिक नवागढ़ विकासखण्ड तथा न्यूनतम अनुपात बेरला विकासखण्ड में है। बेमेतरा जिला में प्रति 10000 जनसंख्या पर कालिक बाजार के अनुपात की मानक विचलन 0.76 है। बेमेतरा जिला में जनसंख्या के कालिक बाजार के अनुपात में बेरला विकासखण्ड $\bar{x}$-2σ, बेमेतरा विकासखण्ड $\bar{x}$-1σ, साजा विकासखण्ड $\bar{x}$-1σ, तथा नवागढ़ विकासखण्ड$\bar{x}$+1σ को सम्मिलित किया है (चित्र क्रमांक 2.2)।

तालिका 2.3

बेमेतरा जिला : क्षेत्रफल, जनसंख्या, आबाद ग्राम के आधार पर

कालिक बाजार के सांख्यिकीय अनुपात

क्रं.	विकासखण्ड	बाजार केन्द्र	आबाद ग्राम बाजार केन्द्र प्रति	जनसंख्या बाजार केन्द्र के अनुपात	बाजार केन्द्र क्षेत्रफल (कि.मी)
1	नवागढ़	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$+1σ	$\bar{x}$+1σ
2	बेमेतरा	$\bar{x}$+1σ	$\bar{x}$1σ	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$-1σ
3	बेरला	$\bar{x}$+2σ	$\bar{x}$+1σ	$\bar{x}$-2σ,	$\bar{x}$+2σ
4	साजा	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$-1σ	$\bar{x}$+1σ

आबाद ग्राम : कालिक बाजार केन्द्रों की अनुपात

बेमेतरा जिला के प्रति 100 आबाद ग्राम पर कालिक बाजारों केन्द्रों का औसत अनुपात23.75 है (तालिका 2.2)। जिला के प्रति 100 आबाद ग्राम संख्या पर कालिक बाजार केन्द्र का औसत अनुपात अधिक बेरला विकासखण्ड तथा इसके विपरीत बेमेतरा विकासखण्ड बाजार केन्द्र में कम है।जिला के प्रति 100 आबाद ग्राम संख्या परकालिक बाजार के अनुपात की मानक विचलन 7.81 है। कालिक बाजार का अनुपात के आधार पर नवागढ़ $\bar{x}$-1σबेमेतरा$\bar{x}$1σ, साजा $\bar{x}$-1σतथा$\bar{x}$+1σबेरला विकासखण्ड को सम्मिलित किया गया।

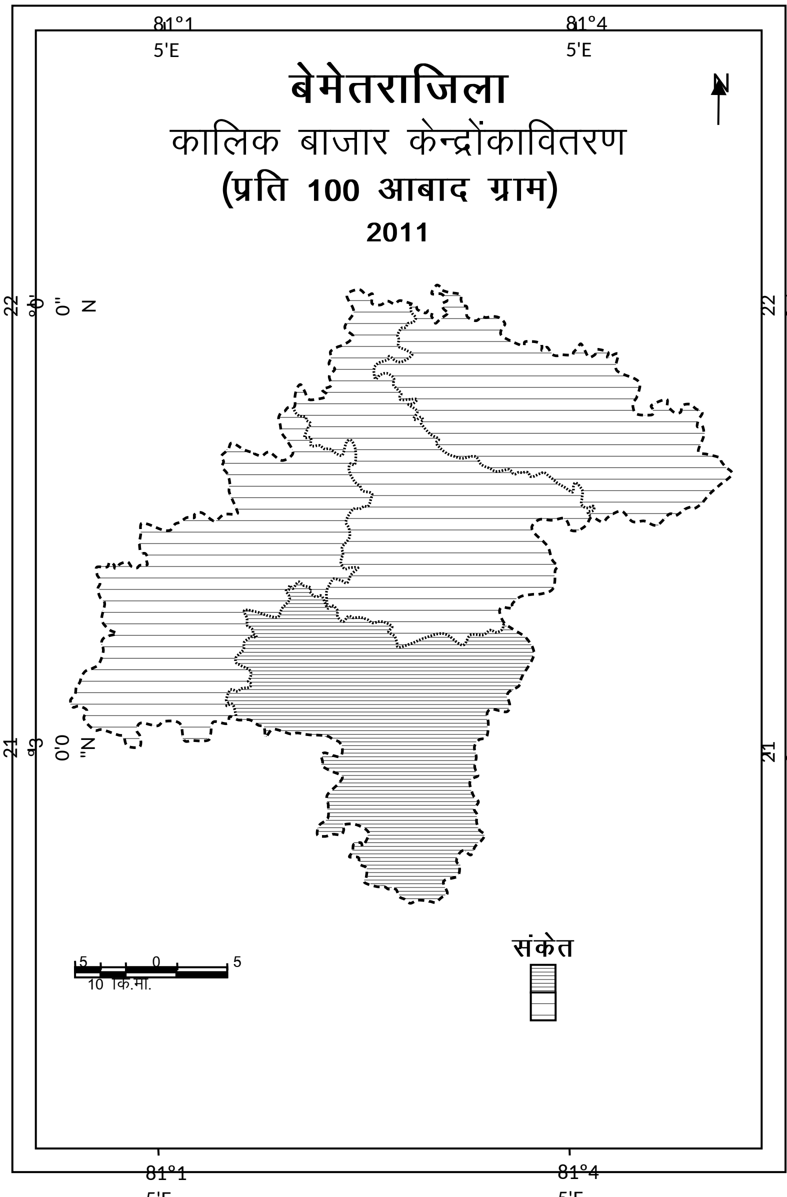

स्रोत : भारतीय जनगणना, दुर्ग जिला, 2011

मानचित्र 2.3

बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण का अनुपात

बेमतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों में की सर्वाधिक संख्या बेरला विकासखण्ड (55) देख गया है। इसके विपरीत नवागढ विकासखण्ड में इससे बहुत ही कम सिर्फ 32 कालिक बाजार केन्द्र है। कालिक बाजार केन्द्रों की औसत40.2 तथा मानक विचलन 6.032 है यह दर्शाता है कि विचलन बहुत कम है(तालिका2.2)।कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण के आधार पर नवागढ़ विकासखण्ड $\bar{x}$-1σ ,साजा विकासखण्ड $\bar{x}$-1σ, बेमेतरा विकासखण्ड $\bar{x}$+1σ तथा बेरला विकासखण्ड $\bar{x}$+2σसम्मिलित किया गया है(चित्र क्रमांक 2.4)।

कालिक बाजार केन्द्रका निकटवर्ती कस्बे की दूरी

कालिक बाजार केन्द्र में निकटवर्ती नगर या कस्बे से कालिक बाजार की दूरी के आधार पर बाजार केन्द्र वस्तुएं व सेवा की सुविधाएं पर प्रभाव पड़ता है।कालिक बाजार केन्द्रों मेंनिकटवर्ती कस्बे से बाजार केन्द्र की दूरी परिवहन के साधन के आधार परबाजार का वितरण पर निर्भर करता है।"कालिक बाजार केन्द्रों में ग्रामीण केन्द्रों सेवा प्रदान के रूप में काम करते है। बाजार केन्द्रों में उपस्थित होने वाले विक्रेता विक्रय हेतु अधिकांश वस्तुएं अपने निकटवर्ती कस्बे से प्राप्त करता है। कालिक बाजार केन्द्रों के लिए कस्बों का महत्व सर्वोपरि है"(त्रिवेदी 1997)।है। बेमेतरा जिला के प्रमुख नगर बेरला, साजा, नवागढ़, बेमेतरा है जिसमें कालिक बाजारों केन्द्रों में क्रेता के अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होने पर कभी–कभी निकटवर्ती कस्बे पर आत्म निर्भर होता है। क्रेता अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नगर से भी करता है।

ग्रामीण बाजार केन्द्रों के लिए विक्रेता अधिकांशवस्तुएं का क्रय करता है, जैसे साबुन, बीड़ी, सिगरेट, बर्तन के औजार, तैयार, वस्त्र,फल, श्रृंगार की उपयोगी वस्तुएं इत्यादि अपने निकटवर्ती कस्बे से क्रय करते है। जिसके माध्यम से ग्रामीण कालिक बाजार केन्द्रों में वस्तु व सेवाएं उपलब्ध करती है।

बेमेतरा जिला के कुल बाजार केन्द्रसंख्या 162 है, जिसमें चयनित 13 बाजार केन्द्र के आधार पर ग्रामीण कालिक बाजार केन्द्र से कस्बे दूरी के पर बाजार केन्द्रका अल्प या अधिक बाजार केन्द्रनिर्धारित होती है। बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों से निकटवर्ती कस्बे दूरी (12–16 कि.मी.दूरी वर्ग) बाजार केन्द्र की संख्या अधिक है। इसके विपरीतकालिक बाजार केन्द्रों से निकटवर्ती कस्बे दूरी (>16 कि.मी. दूरी वर्ग) बाजार केन्द्र की संख्या कम है।

तालिका 2.4

बेमेतरा जिला : निकटवर्ती कस्बेकी दूरी

क्रं.	कस्बे से दूरी (दूरी कि.मी)	बेमेतरा जिला के बाजार केन्द्रों की संख्या	प्रतिशत
1	< 4	3	23.07
2	4–8	2	15.39
3	8–12	3	23.07
4	12–16	4	30.70
5	> 16	1	7.70
कुल		13	100%

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

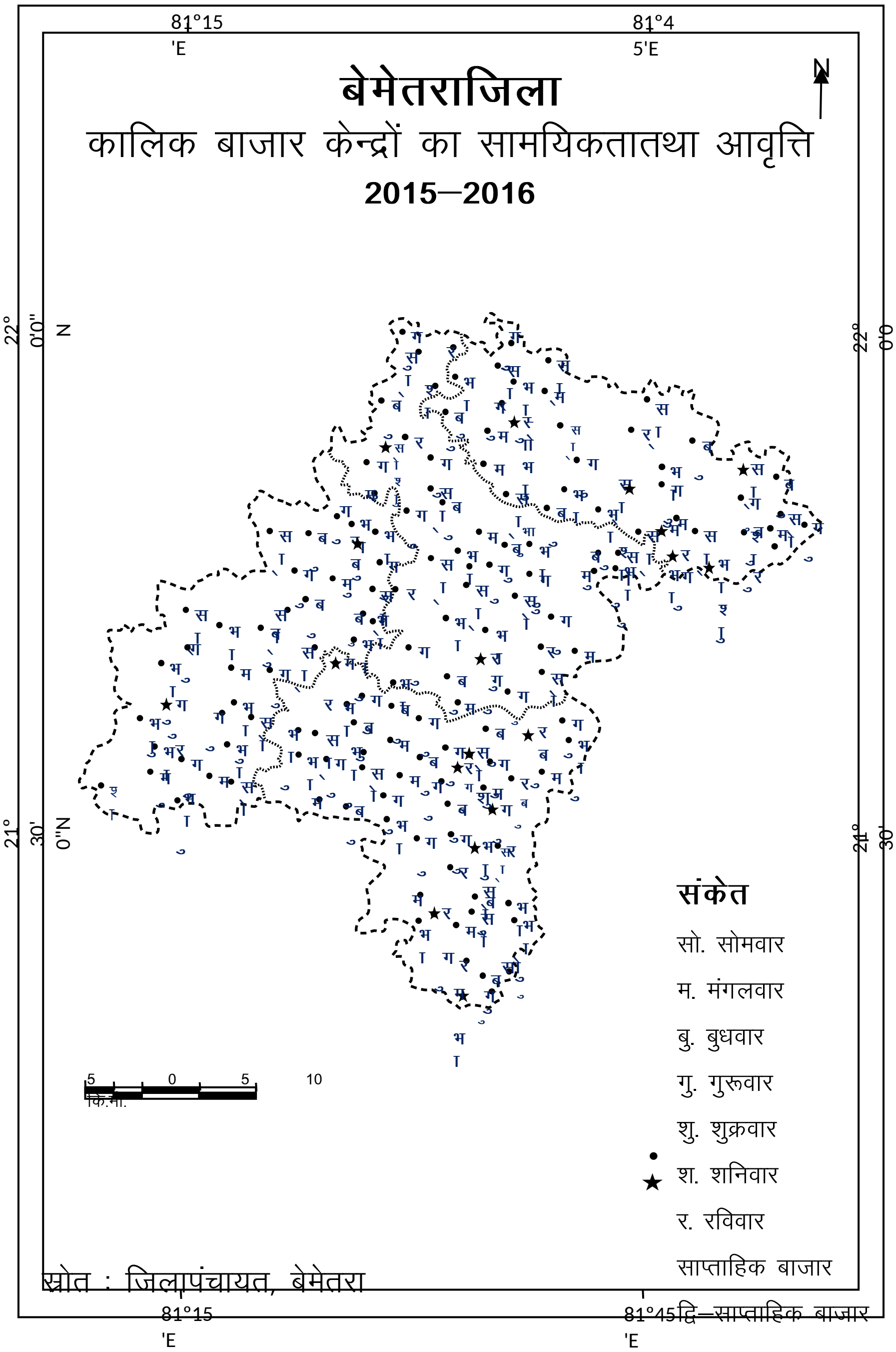

मानचित्र 2.5

मानचित्र 1.12

बेमेतरा जिले में ग्रामीण कालिक बाजार केन्द्रों में बाजार केन्द्रों से दूरी कस्बे (12–16 कि.मी.दूरी वर्ग) कालिक बाजार केन्द्रों की सबसे अधिक30.70 प्रतिशत है तथा (>16 कि.मी. दूरी वर्ग) कालिक बाजार केन्द्रों की सबसे कम 7.70 प्रतिशत है (तालिका 2.7)।ग्रामीण कालिक बाजार में कस्बे से अधिक पर बाजार केन्द्रों की संख्या अल्प है। इसके विपरीत कस्बे से कम दूरी पर बाजार केन्द्रों की संख्या अधिक होती है।

कालिक बाजार केन्द्रों की निकटतम पड़ोसी विश्लेशणके वितरणप्रतिरूप

बेमेतरा जिला कालिक बाजार केन्द्रों की स्थानिक वितरण के प्रतिरूपअध्ययन हेतु निकटतम पड़ोसी विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।निकटतम पड़ोसी विश्लेषण का प्रयोग अमेरिका पारिस्थिति वैज्ञानिकों क्लार्क और इवांस ने 1954 में किया गया था। नगर–अंतरण के परिकलन की यह अधिक लोकप्रिय विधि है, जिसका प्रयोग डेसी ने 1960 में दो अलग अलग अध्ययन में किया गया।किंग ने 1962 में संयुक्त राज्य अमेरिका का चयनित क्षेत्रों में नगरीय प्रतिरूपों की विवेचना में इसी विधि को अपनाया गया है। पीटर हैगेट एवं गुनावर्डीय मानव अधिवासों के वितरण में निकटतम पड़ोसी विश्लेषणका प्रयोग किया गया।

बेमेतरा जिला में बाजार केन्द्रों की स्थानिक वितरण के प्रतिरूप का अध्ययन किया गया है। जिसमे प्रत्येक बाजार केन्द्र के निकटतम पड़ोसी बाजार केन्द्र की सीधी दूरी का उपयोग किया गया है। बेमेतरा जिला मेंबाजार केन्द्र का निकटतम पड़ोसी विश्लेषण के लिए निकटतम पड़ोसी वास्तविक दूरी तथा निकटतम पड़ोसीप्रत्याशित दूरीके अनुपात के आधार पर ज्ञात किया किया गया।

"सरयुपार मैदान में बाजार केन्द्रों के वितरण प्ररूप को स्पष्ट करने के लिए कुछ प्रचलित निकटतम पड़ोसी बिन्दु विश्लेषण विधि का प्रयोग किया"(श्रीवास्तव, 1999)। शिवास प्रदेश का बाजार केन्द्रों का निकटतम पड़ोसी विशलेषण का विधि का प्रयोग किया(ठाकुर, 1999)। आजमगढ़ जनपद के आवर्ती बाजार केन्द्रों का वितरण का प्रतिरूप को निकटतम पड़ोसी विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है (प्रसाद, 2004)। निकटतम बिन्दु से वास्तविक मध्य दूरी एवं सापेक्षिक मध्य दूरी को ज्ञात कर यादृच्छिक वितरण से विचलन की मात्राR के मान से प्राप्त किया गया है। बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण के प्रतिरूप को ज्ञात करने के लिएनिकटतम पड़ोसी विश्लेषणविधि का प्रयोग किया गया है।

निकटतम पड़ोसी का वास्तविक मध्य दूरी $Rn=\frac{\bar{r}A}{\bar{r}E}$

Rn ¿निकटतम पड़ोसी अनुपात

$\bar{r}A=$¿निकटतम पड़ोसी वास्तविक दूरी का औसत

$\bar{r}E=$¿निकटतम पड़ोसीप्रत्याशित दूरीका औसत

निकटतम पड़ोसी वास्तविक दूरी का औसत $\bar{r}A=\frac{\sum NND}{N}$

. $\sum NNd=$¿निकटतम पड़ोसी दूरियों का योग

$N=$¿कुल कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या

निकटतम पड़ोसी आपेक्षित दूरियों का औसत$\bar{r}E=0.5\sqrt{\frac{A}{N}}$

$A=$¿कुलक्षेत्रफल

$N=$¿कुल कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या

यादृच्छिकतवितरण होने पर $R=1$होता है। ग्रांछित वितरण होने पर R=2.1493 होता है अतः यादृच्छिक का विस्तारके परास 0 से 2.1493 के मध्य होता है।

तालिका 2.5

बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों का निकटतम पड़ोसी विश्लेषण

जिला	कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या	$\sum NND$ (कि.मी.)	A (कि.मी)	$\bar{r}A$	$\bar{r}E$	Rn
बेमेतरा जिला	162	363	2854.81	2.240	2.105	1.064

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

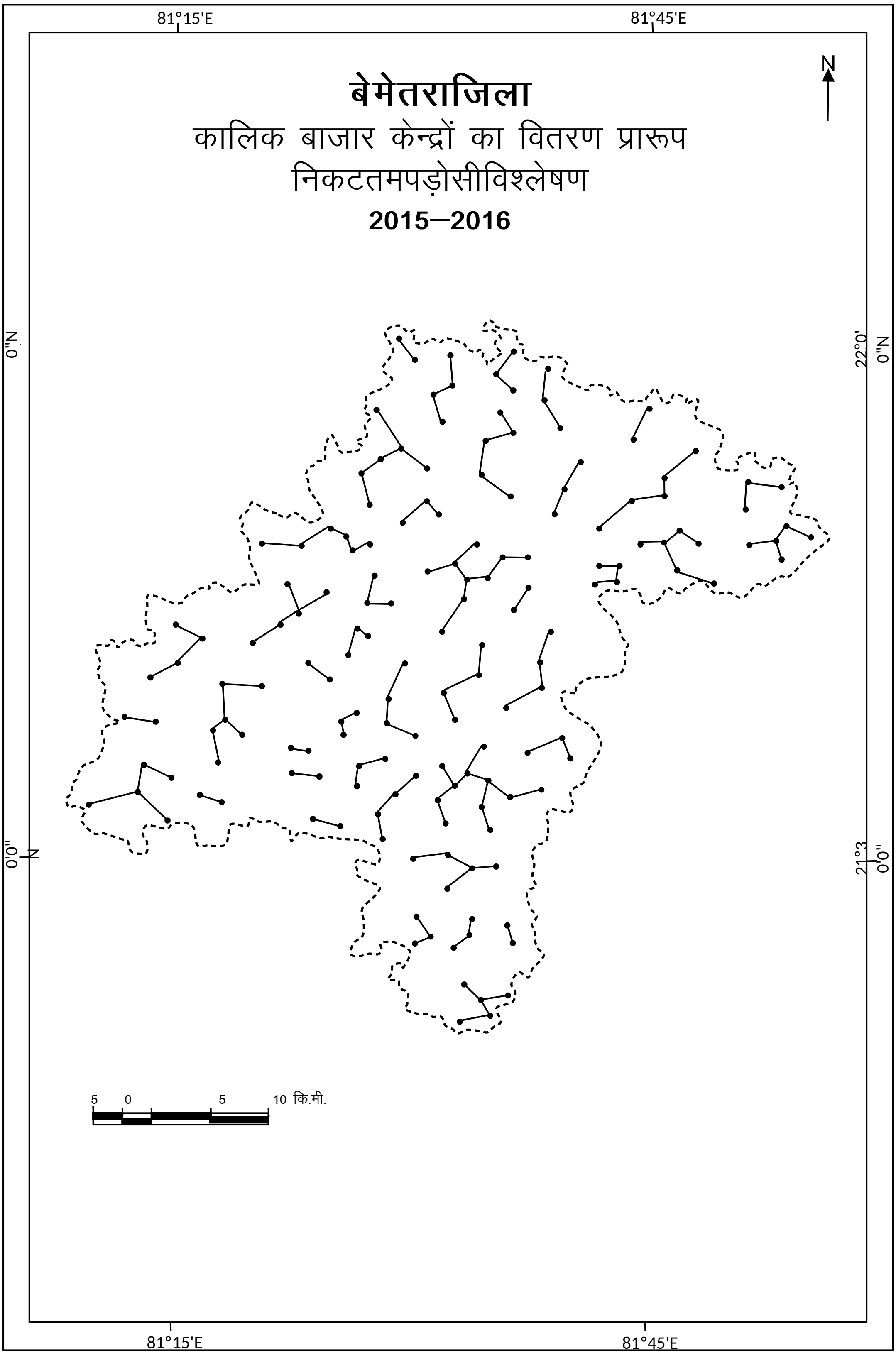

स्रोत : जिला पंचायत, बेमेतरा

मानचित्र 2.6

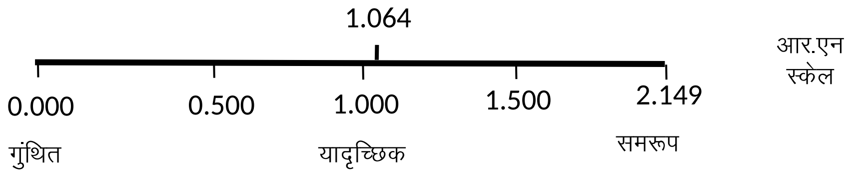

बेमेतरा जिला

कालिक बाजार केन्द्रों की निकटतम पड़ोसी विश्लेषण

वितरण प्रतिरूप

आरेख 2.5

बेमेतरा जिले के कालिक बाजार केन्द्रों के निकटतम पड़ोसी विश्लेषण मूल्य(Rn) 1.064 है (तालिका 2.6)। यह दर्शाता है कि कालिक बाजार इंदौर जिला 1.038 (त्रिवेदी,1997) से मेल खाता है, परन्तु सरयुपार मैदान के अध्ययल से (विचलन का माप 1.481)यह वितरण प्रतिरूप ये ज्यादा सामान्य है। जिला में कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण कायादृच्छिकप्रतिरूप है।

तालिका 2.6

बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों का दिवस के अनुसार
निकटतम पड़ोसी विश्लेषण

क्रं.	दिन	बाजार केन्द्रों की संख्या	$\sum NND$ (कि.मी.)	A (कि.मी)	$\bar{r}A$	$\bar{r}E$	Rn
1	सोमवार	33	161	2854.81	4.878	4.650	1.049
2	मंगलवार	24	131.8	2854.81	5.490	5.453	1.006
3	बुधवार	22	125	2854.81	5.681	5.695	0.998
4	गुरूवार	37	186.75	2854.81	5.047	4.391	1.149
5	शुक्रवार	24	136.5	2854.81	5.687	5.453	1.042
6	शनिवार	17	117.5	2854.81	6.911	6.475	1.067
7	रविवार	16	106.5	2854.81	6.656	6.678	0.966

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015—2016

बेमेतराजिला

कालिक बाजार केन्द्रोंकादिवस के अनुसार निकटतमपड़ोसीविश्लेषण

2015–2016

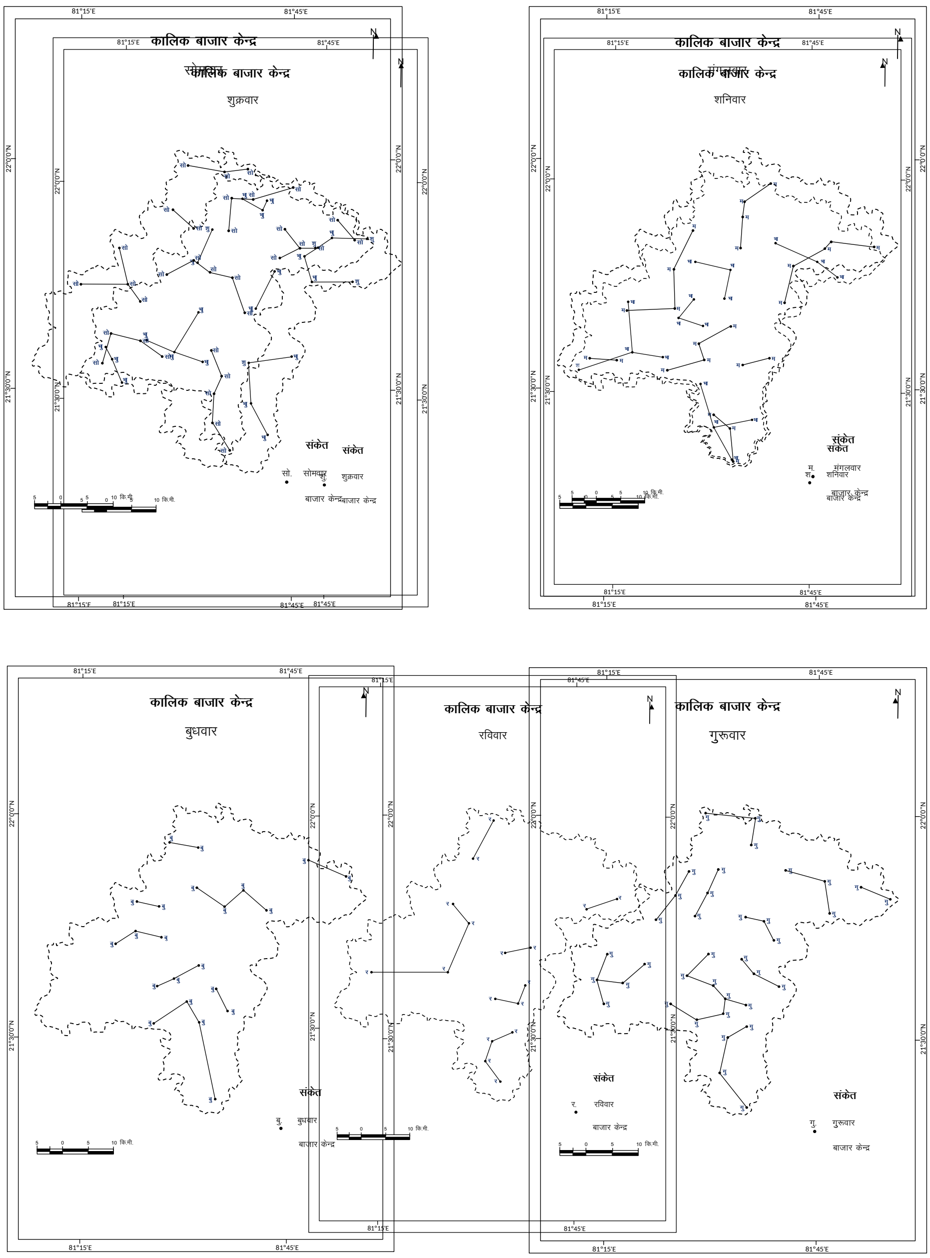

स्रोत : जिला पंचायत बेमेतरा

मानचित्र 2.8

कालिक बाजार केन्द्रों का दिवस के अनुसार निकटतम पड़ोसी विश्लेशण के वितरण प्रतिरूप

बेमेतरा जिले के निकटतम पड़ोसी विश्लेषण में कालिक बाजार केन्द्रों का दिवस के अनुसार बाजार केन्द्र का वितरण प्रतिरूप अध्ययन किया है। बेमेतरा जिले के कालिक बाजार केन्द्रों के निकटतम पड़ोसी विश्लेषण मूल्य (Rn) सोमवार (1.049) मंगलवार (1.006) बुधवार (0.998) गुरूवार (1.149) शुक्रवार (1.042) शनिवार (1.067) रविवार (0.966) है। कालिक बाजार केन्द्र के वितरण के आधार पर यह विश्लेषण किया है, कि बाजार केन्द्र के दिवस के अनुसार बाजार केन्द्र का वितरण असमान है। जिला में सोमवार, मंगलवार, गुरूवार, शुक्रवार एवं शनिवार, कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण का यादृच्छिक से समरूप प्रतिरूप की ओर है तथा बुधवार एवं रविवार कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण का गुंथित सेयादृच्छिक प्रतिरूप की ओर है।

तालिका 2.7

बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (दूरी)

क्रं.	दिन	कालिक बाजार केन्द्रों का औसत दूरी (कि.मी.)
1	सोमवार	4.878
2	मंगलवार	5.490
3	बुधवार	5.681
4	गुरूवार	5.047
5	शुक्रवार	5.687
6	शनिवार	6.911
7	रविवार	6.656
औसत		5.764

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (दूरी)

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (कि.मी.) के आधार पर बाजार केन्द्र का वितरण का अध्ययन किया है। कालिक बाजार केन्द्रों का औसत दूरी जिसमें सोमवार (4.878) मंगलवार (5.490) बुधवार (5.681) गुरूवार (5.047) शुक्रवार (5.687) शनिवार (6.911) रविवार (6.656) है। जिसमें शनिवार दिवस के कालिक बाजार केन्द्रों का औसत दूरी अधिक तथा सोमवार दिवस के कालिक बाजार केन्द्रों का औसत दूरी कम है।

कालिक बाजार केन्द्र की संख्या अधिक होने पर औसत दूरी कम तथा कालिक बाजार केन्द्र की संख्या कम होने पर औसत दुरी अधिक है। इसलिए कालिक बाजार केन्द्रों का वितरण असमान है।

कालिक बाजार आवर्तिता के आधार पर आप्राचल विधियों में कोई वर्ग परीक्षण किया जाता है। प्रतिदर्श का आकार छोटा होने पर ही काई वर्ग परीक्षण अधिक उपर्युक्त रहता है, सर्वप्रथम अविष्कारक हेल्मर्ट ने किया। काल पियर्सन ने इसका परीक्षण या स्वतंत्र रूप से प्रतिपादन किया वृद्धि वर्ग परीक्षण आकृतियों के अवलोकित वितरण का सैद्धांतिक विवरण या प्रत्याशित वितरण की तुलना करता है। आवृत्तियों के अवलोकित वितरण तथा प्रत्याशित वितरण में समानता अथवा भिन्नता किस सीमा तक है। प्रतिदर्श के विभिन्न समूहों में तथ्य के समान वितरण की परिकल्पना की जाती है। काई वर्ग परीक्षण में अवलोकित आवृत्तियों और प्रत्याशित आवृत्तियों में कलश पर समान वितरण की परिकल्पना सार्थक है या नहीं उपयोग किया जाता है। काई वर्ग परीक्षण का सूत्र निम्नानुसार हैः

$$x^2 = \sum \frac{(O-E)^2}{E}$$

x^2 = काई वर्ग परीक्षण

O =अलोकित आवृत्तियां

E =प्रत्याशित आवृत्तियां

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (कि.मी.) के आधार पर बाजार केन्द्र के वितरण असमान अध्ययन किया है। कई वर्ग परीक्षण के आधार पर बाजार केन्द्र के वितरण असमान की परिकल्ना की गयी है। बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार df = 6, पर विश्वास स्तर P=0.05 (5%)का मान 12.59 है। जिसमें कि आकलित मूल्य $x^2$0.6025 (परिशिष्ट VII)अधिक है। कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी में कालिक बाजार केन्द्रों का वितरण में सार्थक है। इसलिए कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (कि.मी.) के आधार पर बाजार केन्द्र के वितरण असमानवितरण पाया गया है।

कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिकविश्लेशण

स्थानिक कालिक बाजार का अर्थ है, एक चयनित स्थल पर निश्चित समय की बाजार क्रिया के लिए विक्रेता निर्धारित समय में पहुँच कर वस्तुओं की विक्रय क्रेताओं को करता है।

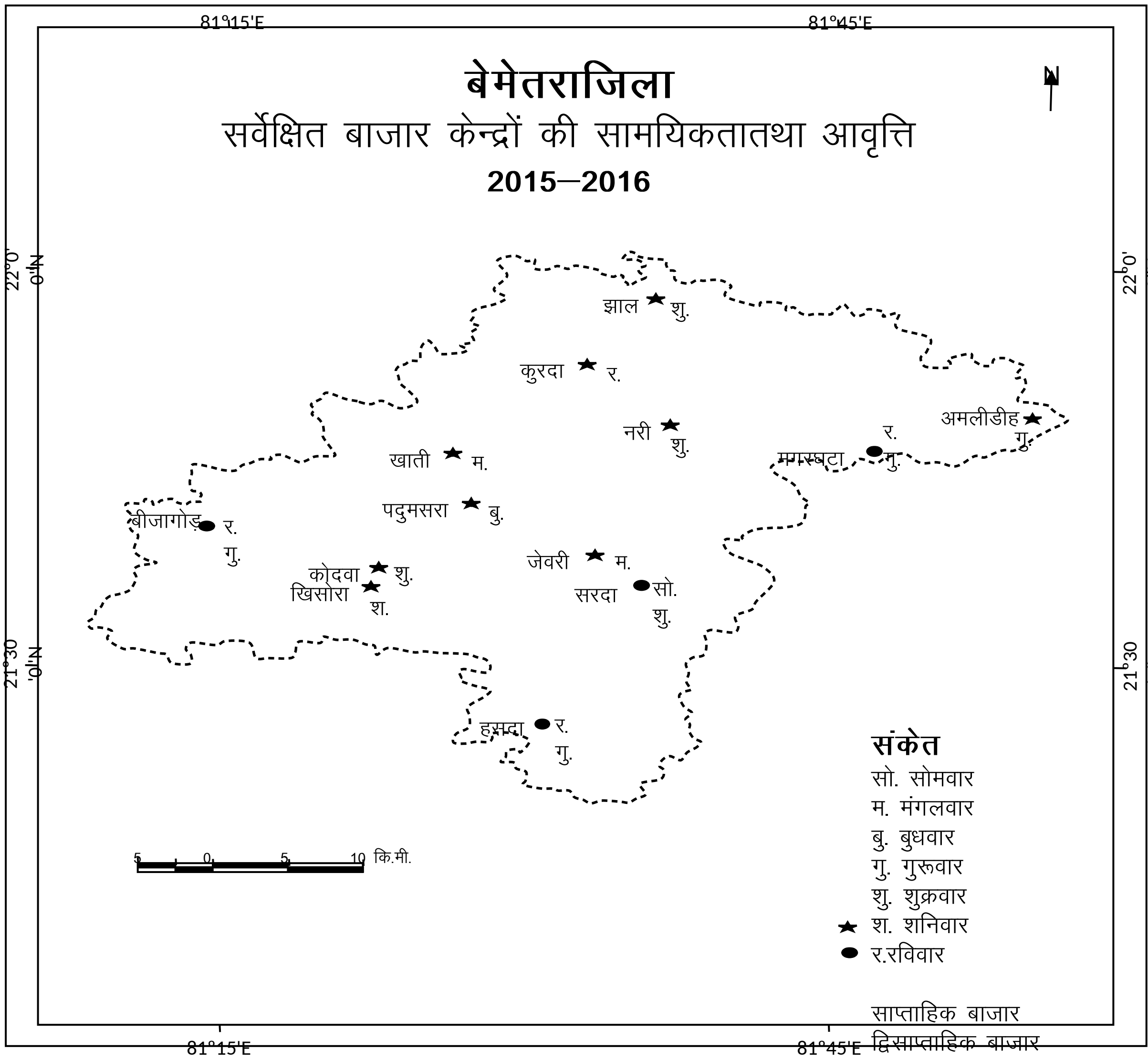

स्रोत : जिलापंचायत, बेमेतरा

मानचित्र 2.9

बेमेतरा कालिक बाजार में साप्ताहिक बाजार एवं द्वि–साप्ताहिक बाजार दैनिक क्रम में मिलते है। बाजार चक्र का तात्पर्य उन बाजार केन्द्रों के कालिक संगठन से है जो एक सप्ताह में परस्पर बाजार कार्य साम्पादित करते है। सात दिनों की निकटतम कालिक दूरी में आधार मान कर स्थानिक अवस्थिति से संबंध निकाला गया है।

"बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक संगठन सामाजिक व आर्थिक भू–विव्यास का एक आधारभूत तथ्य है। बाजार क्रिया निश्चित मानव अधिवासों या जनसमूह केन्द्रों पर ही सम्पन्न होती है। बाजार क्रिया का स्थानिक वितरण का संबंध मानव अधिवास की आकारिकी से होता है" (श्रीवास्तव एवं दीक्षित, 1996)।"आवर्ती बाजार केन्द्रों में आवृत्ति के अध्ययन स्थानिक कालिक समांकलन का ज्ञान भी आवश्यक है। जिस क्षेत्र के विपणन केन्द्रों में समाकलन नहीं होगा, वहां सप्ताह के विभिन्न दिनों में वितरण व दिवसों की संख्या भी समान नहीं होगी। इसके विपरीत समाकलन होने पर बाजार मिलन केन्द्रों की संख्या में अंतर होगा" (त्रिवेदी, 1997)। स्थानिक–कालिक विश्लेषण दोनों स्थान एवं काल से संबंधित है तथा यह स्थान व काल संबंध (Spatio-Temoral relationship) कहलाता है।

तालिका 2.8

बेमेतरा जिलाः सर्वेक्षित कालिक बाजार केन्द्रों की आवृत्ति

क्रं.	विकासखण्ड	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	कुल योग
1	बेरला	2	1	–	–	1	2	1	7
2	बेमेतरा	1	–	1	–	–	1	–	3
3	साजा	1	–	1	1	1	–	–	4
4	नवागढ़	1	–	0	–	2	1	–	4
कुल योग		5	1	2	1	4	4	1	18
प्रतिशत		27.77	5.55	11.11	5.55	22.22	22.22	5.55	100%

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

बेमेतरा जिला में कालिक बाजार आवृत्ति के बेरला विकासखण्ड का बाजार केन्द्रों की आवृत्ति सबसे अधिक है। इसके विपरीत बेमेतरा विकासखण्ड का बाजार केन्द्रों की आवर्तित सबसे कम है। साजा एवं नवागढ़ विकासखण्डों में बाजार केन्द्रों की आवर्तिता माध्यम है। चयनित 13 कालिक बाजारों केन्द्रों के आधार परआवृत्तिसबसे अधिक रविवार (27.77%) है। इसके विपरीत आवृत्ति सबसे कम बुधवार (5.55%) व शुक्रवार (5. 55%) है(तालिका 2.7)।

कालिकबाजार केन्द्रों का वर्गीकरण

बाजार केन्द्रों का वर्गीकरण लॉस एवं क्रिस्टलर इत्यादि भूगोलवेत्ताओं द्वारा किया गया है। स्किनर महोदय ने चीन के संदर्भ में अनुभावित अध्ययन के आधार पर बाजार केन्द्रों का वर्गीकरण किया है। बाजार केन्द्रों को बाजार खुल रहने अवधि के आधार पर किया गया है। (त्रिवेदी,1997)।बाजार केन्द्रों पर बाजार में उपस्थित जनसमूह की संख्या के आधार पर भी बाजार केन्द्रों का वर्गीकरण किया गया है। उत्तर प्रदेश में सरयूपार मैदान के बाजार केन्द्रों को वृहत्तर वृहत, मध्यम लघु, एवं अतिलघु आकार में वर्गीकरण में विभक्त किया है (श्रीवास्तव,1997)।उत्तर प्रदेश के तराई प्रदेश में कालिक बाजारों केन्द्रों की वास्तविक संख्या 353 है। बाजार केन्द्रों का वर्गीकरण बाजार के खुलने के दिन के आधार पर इन्दौर जिला के बाजारों का वर्गीकरण मूल्य आधार पर किया गया है। इसी तरह बेमेतरा जिला के कालिक बाजारों को दिन की अवधि के आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

सामयिकता

बेमेतरा जिला केकालिक बाजार केन्द्र में साप्ताहिक एवं द्वि–साप्ताहिक बाजार विशेष दिन आयोजित किये जाते है।कालिक बाजार सप्ताह में एक दिन अथवा एक दिन से अधिक लगते है। इन्दौर जिला में सप्ताह के

सभी दिनों पर आवर्ती बाजार आयोजित किये गया है(त्रिवेदी, 1997)। दक्षिण–पश्चिमी मध्यप्रदेश के आदिवासी विषणन केन्द्रों का स्थानिक कालिक संगठन का अध्ययन किया (त्रिवेदी एवं गुप्ता, 2003)। सरयूपार मैदान में पाये जाने वाले कालिक बाजारों के आधार पर तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है (श्रीवास्तव, 1999)।बेमेतरा जिला के कालिक बाजार बाजारों केन्द्रों का स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण के अध्ययन किया गया है।

बेमेतरा जिला साप्ताहिक एवं द्वि–साप्ताहिक कालिक बाजारों दिन की संख्या के आधार पर किया गया है। बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों को सप्ताह में लगाने के दिनों की संख्या के आधार दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।

(1) साप्ताहिक बाजार केन्द्र

(2) द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्र

(अ) साप्ताहिक बाजार केन्द्र

बेमेतरा जिला के चयनित साप्ताहिक बाजार केन्द्र में अमलीडीह (गुरूवार), झाल(शुक्रवार), कुरदा, (रविवार), नरी (शुक्रवार), खाती (मंगलवार), खिसोरा (शनिवार), जेवरी(मंगलवार), कोदवा (शुक्रवार),तथा पदुमसरा (बुधवार), लगते है।

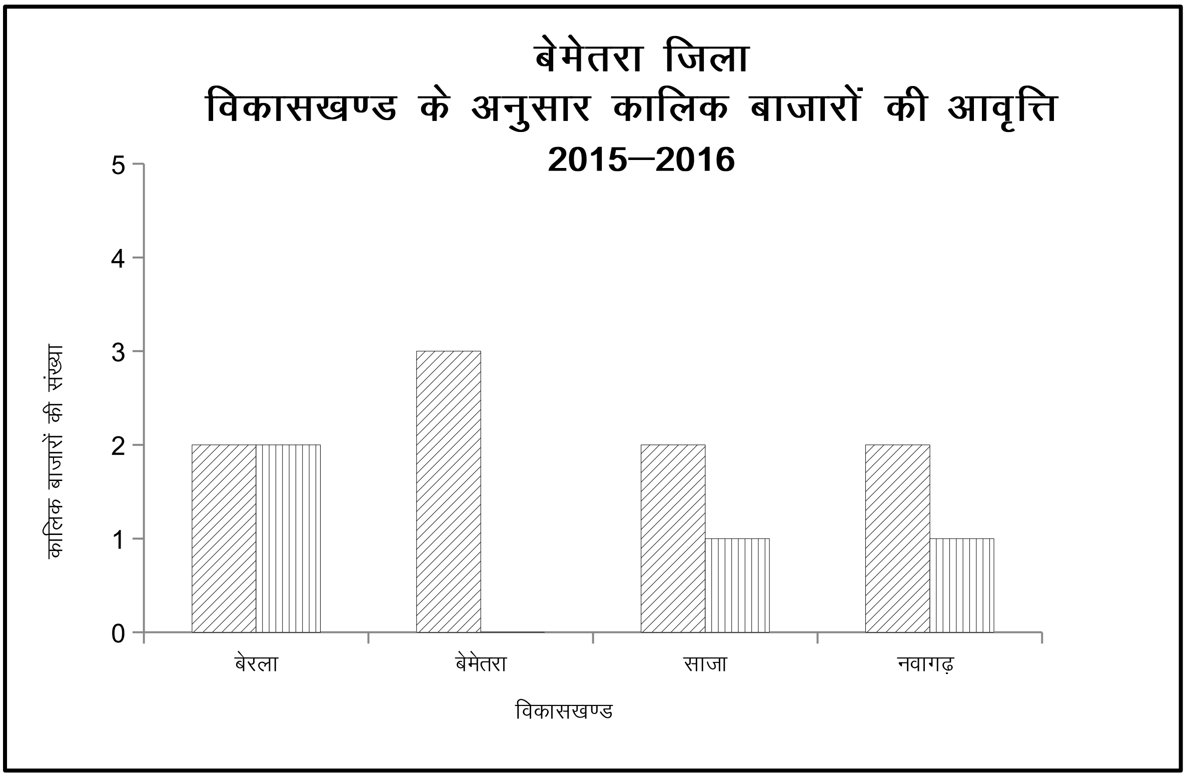

आरेख 2.10

बेमेतरा जिल के 13 चयनित कालिक बाजारों में साप्ताहिक बाजार केन्द्र की संख्या 9 है। साप्ताहिक बाजार में दो तिहाई से ज्यादा सप्ताह में एक दिन लगतेहै (तालिका 2.10) । जिला में साप्ताहिक बाजार केन्द्रों का वितरण असमान है।

तालिका 2.9

बेमेतरा जिला : सर्वेक्षित बाजार केन्द्रों की सामयिकता

क्रं.	विकासखण्ड	बाजार केन्द्रों के कुल संख्या	साप्ताहिक	द्वि–साप्ताहिक
1	बेरला	4	2	2
2	बेमेतरा	3	3	0
3	साजा	3	2	1
4	नवागढ़	3	2	1
कुल		13	9	4
प्रतिशत		100	69.23%	30.7%

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

(ब) द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्र

साप्ताहिक बाजार केन्द्र सात दिनों में साप्ताहिक में दो दिन बाजार लगते है। इन केन्द्रों में प्रत्येक साप्ताह में एक दो तथा तीन दिनों के अंतराल में दो दिन अस्थायी विक्रेताओं एवं क्रेता का एकीकरण होता है। बेमेतरा जिला में हसदा (रविवार शुक्रवार), बीजागोड़ (रविवार एवं शुक्रवार), सरदा (सोमवार एवं शुक्रवार),तथा मगरघटा (रविवार एवं शुक्रवार)द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्र लगते है। बेमेतरा जिल के 13 चयनित कालिक बाजारों में द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्रकी संख्या 4 है। द्वि–साप्ताहिक बाजार में एक तिहाई से कम सप्ताह में एक दिन लगते है, जिसके बाजार केन्द्र का 30.7 प्रतिशत है।

कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक समाकलन

कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक तथा कालिक समाकलन विश्लेषण किया गया। इन्दौर जिला के बाजार केन्द्रों का परस्पर संगठन हेतु समान दिवस समीपवर्ती दिवस एक दिन अंतराल एवं दो दिन अंतराल आवर्ती कालिक बाजारों केन्द्रों औसत स्थानिक दूरी के आधार पर किया गया है (त्रिवेदी, 1997)। दक्षिण–पश्चिमी मध्यप्रदेश के आदिवासी बाजार केन्द्रों का समान दिवस, समीपवर्ती दिवस, एक दिन के अंतराल तथा दो दिन का अंतराल का स्थानिक–कालिक समाकलन किया गया है, (त्रिवेदी एवं गुप्ता, 2004)।

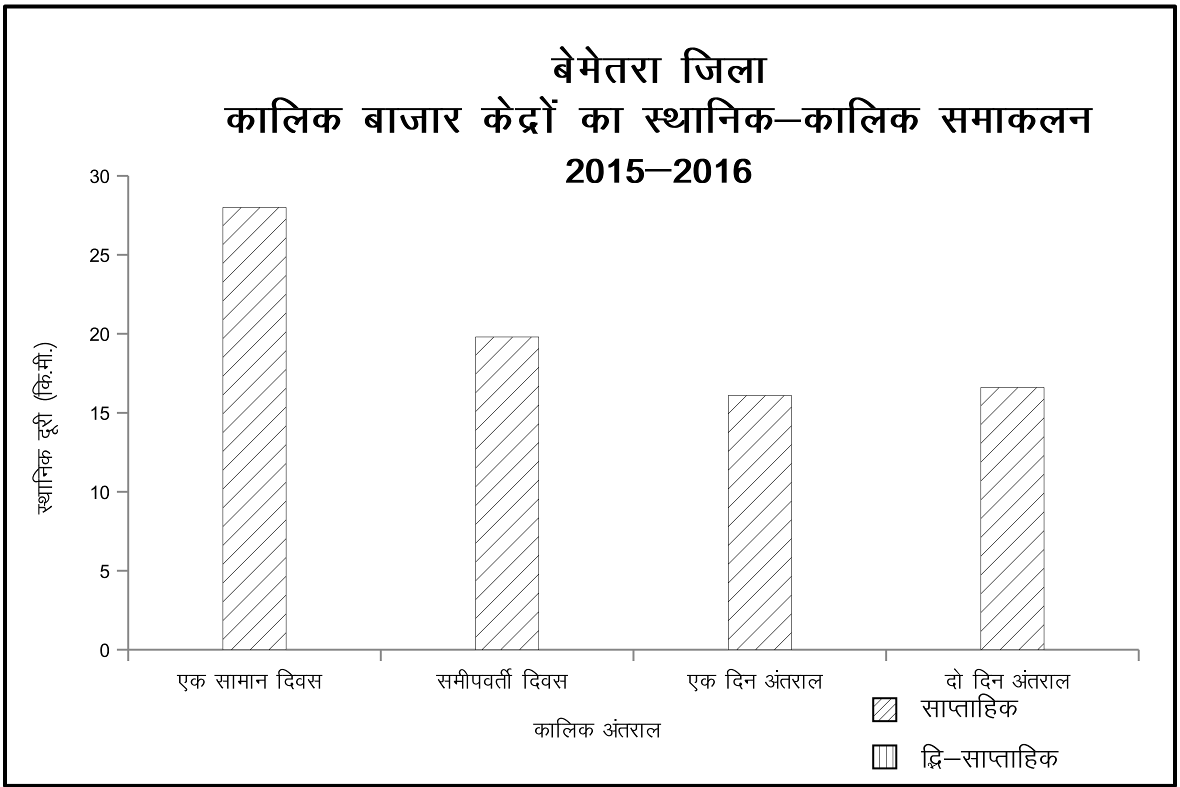

आरेख 2.12

सरयूपार मैदान बाजार केन्द्रों की कालिक एवं भू–वैयासिक अवस्थिति के आधार पर समान विषय संलग्न दिवस, एक दिन, दो दिन तथा तीन दिन के आधार पर बाजार केन्द्रों का स्थानिक एवं कालिक माप किया गया(श्रीवास्तव, 1999)।बेमेतरा जिला मेंकालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक समाकलन समान दिवस, समीपवर्ती दिवस, एक दिन अंतराल तथा दो दिन अंतराल बाजार केन्द्र का औसत दूरी के आधार पर कालिक बाजार केन्द्रों का मापक किया गया है।

बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों पर सोमवार से रविवार तक का अगल अलग दिनों का औसत दूरी के आधार पर समान दिवस 24.24 कि.मी. प्राप्त किया गया। इसी तरह समीपवर्ती दिवस दिनों का औसत दूरी (सोमवार और मंगलवार) 20.21 कि.मी, एक दिन अंतराल दिवसों का औसत दूरी (सोमवार से बुधवार) 16. 17 कि.मी. तथा दो दिन का अंतराल दिनों औसत दूरी (सोमवार से गुरूवार) 15.89 कि.मी कस स्थानिक दूरिया ज्ञात किया गया है **(**तालिका 2.11**)**।
तालिका2.10

बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक समाकलन

क्र.	कालिक (दिनों में)	स्थानिक औसत दूरी(कि.मी. में)
1	समान दिवस	24.24
2	समीपवर्ती दिवस ~~आरेख 2.13~~	20.21
3	एक दिन अंतराल	16.17
4	दो दिन अंतराल	15.89

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण, 2015–2016

कालिक बाजार समान दिवस में दिनों आवर्तिता के आधार परकालिक बाजार केन्द्रों में जैसे–जैसे दिनों का अंतराल बढ़ता है स्थानिक दूरियां कम होती है। बेमेतरा जिला में कालिक दूरियों दूरी बढ़ने पर स्थानिक दूरी कम होती हैऔर स्थानिक दूरी अधिक होने के साथ–साथ कालिक दूरी कम होती जाती है। कालिक बाजारों केन्द्रों में कालिक व स्थानिक दूरी के मध्य विलोम संबंध है।

बाजार केन्द्रों का घनत्व

बेमेतरा जिला के कालिक बाजारा केन्द्रों का घनत्व का अध्ययन किया गया है। जिसमें मानचित्र पर 100 वर्ग किमी के आधार पर जाल बना लिया गया जिससे बाजार केन्द्रों के वितरण का दर्शाया गया है। यह संख्या प्रमि 100 वर्ग कि.मी में बाजार घनत्व का ज्ञात किया गया है, जिसके पाश्चात् दो बाजार केन्द्र के मध्य के सामान रेखाएं का दर्शाया गया है। यह बाजार केन्द्रों के घनत्व कोप्रदर्शित करता है।सरयुपार मैदान का100 वर्ग कि.मी. के मानचित्र मेंजाल बनाया गया। बाजार केन्द्रों के अंदर पड़ने वाले बाजार केन्द्रों का संख्या वर्ग के मध्य स्थित कर संख्या प्रति 100 कि.मी. ये बाजार केन्द्रों का घनत्व बताया गया है (श्रीवास्तव,1999)। इसी आधार परबेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों का घनत्व को अध्ययन किया गया (चित्र क्रमांक 2.12)।

(1) बाजार केन्द्रों का उच्चतम घनत्व

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र मेंअधिक घनत्व प्रति 100 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में 12 से अधिक बाजार केन्द्र पाया गया हैं (चित्र क्रमांक 2.12)।कालिक बाजार केन्द्रों में अधिक घनत्व बेरला विकासखण्ड़ के मध्य भाग तथा नवागढ़ विकासखण्ड पूर्वी क्षेत्र उच्चतम घनत्व वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में जनसंख्या, परिवहन के साधन, समतल मैदान, कृषि का विकास तथा इस क्षेत्र में बाजार की संख्या साप्ताहिक व द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्र की अधिक हारने के कारण बाजार का घनत्व उच्चतम है।

(2)उच्च घनत्व के क्षेत्र

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र मेंअधिक घनत्व प्रति 100 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में 10 से 12 तक बाजार केन्द्र पाया गया हैं (चित्र क्रमांक 2.12)।बेमेतरा जिला में बाजार केन्द्रों का उच्च घतत्व मध्य भाग में पाया जाता है। इस बाजार साप्ताहिक एवं द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्रों का प्रमुख केन्द्र है।

(3) मध्यम घनत्व क्षेत्र

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र मेंअधिक घनत्व प्रति 100 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में 8 से 10 तक बाजार केन्द्र पाया गया हैं (चित्र क्रमांक 2.12)।बेमेतरा जिला में अधिकांश क्षेत्र मध्य भाग जिसमें साजा, नवागढ़ एवं बेमेतरा विकासखण्ड अधिकांश क्षेत्र मध्यम घनत्व पाया गया। उच्च घनत्व के चारों ओर मध्यम घ ानत्व का वाला क्षेत्र है।इस क्षेत्र में कालिक बाजार केन्द्र प्रायः अधिक साप्ताहिक बाजार एवं द्वि–साप्ताहिक बाजार की संख्या इस क्षेत्र में कम लगाते है।

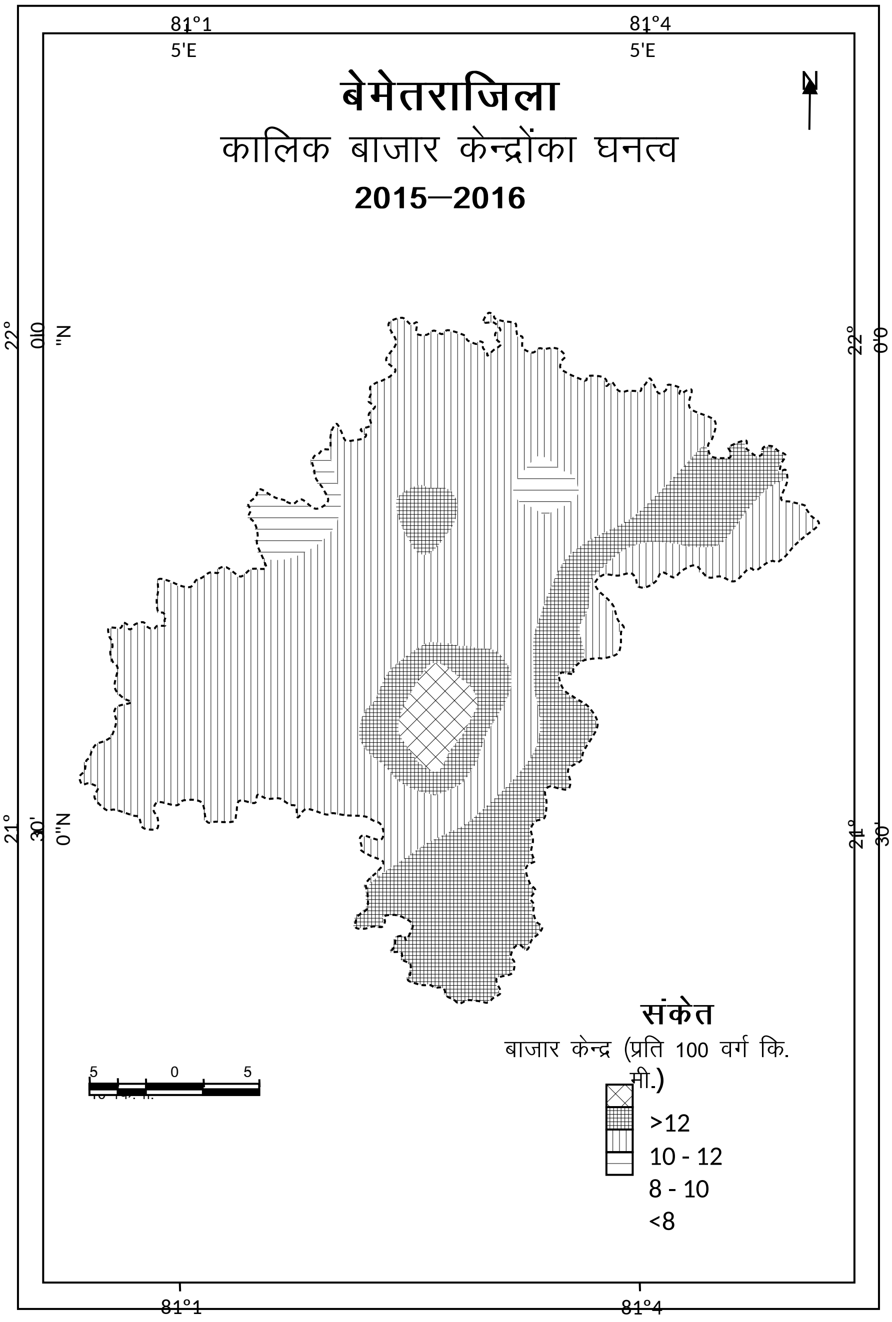

स्रोत : जिला पंचायत, बेमेतरा

मानचित्र 2.14

(4) अल्प घनत्व के क्षेत्र

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र मेंअधिक घनत्व प्रति 100 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में 8 से कम बाजार केन्द्र पाया गया हैं (चित्र क्रमांक 2.12)।

बेमेतरा जिला के साजा विकासखण्ड के उपरी सीमा तथा नवागढ़ के मध्य भाग कालिक बाजार का घनत्व अल्प है। इस क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार केकम है।

निश्कर्श

बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्र में प्रति 100 वर्ग कि.मी. में एक कालिक बाजार का औसत क्षेत्रफल 5.70 वर्ग कि.मी है। कालिक बाजार केन्द्र में प्रति 100 वर्ग कि.मी. सर्वाधिक औसत के साथ प्रथम स्थान पर बेरला विकासखण्ड तथा साजा विकासखण्ड अन्तिम पायदान पर है इस वितरण का मानक विचलन 0.60 है। बेमेतरा जिला के प्रति 100 आबाद ग्राम पर कालिक बाजारों केन्द्रों का औसत अनुपात 23.75 है। जिला के प्रति 100 आबाद ग्राम संख्या पर कालिक बाजार केन्द्र का औसत अनुपात अधिक बेरला विकासखण्ड तथा इसके विपरीत बेमेतरा विकासखण्ड बाजार केन्द्र में कम है। इस वितरण का मानक विचलन 7.81 है। बेमेतरा जिला के 10000 प्रति जनसंख्या पर कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या के आधार पर औसत अनुपात 4.98 है। जिला के प्रति 10000 जनसंख्या पर कालिक बाजार केन्द्र का औसत अनुपात सर्वाधिक नवागढ़ विकासखण्ड तथा न्यूनतम अनुपात बेरला विकासखण्ड में है। इस वितरण का मानक विचलन 1.13 है।

बेमेतरा जिला में सर्वेक्षित कालिक बाजार केन्द्रों का साप्ताहिक बाजार केन्द्रों की 69.23 प्रतिशत है तथा द्वि–साप्ताहिक कालिक बाजाराकेन्द्रों की 30.7 प्रतिशत है। बेमेतरा जिले के कालिक बाजार केन्द्रों के निकटतम पड़ोसी विश्लेषण मूल्य (Rn) 1.064 है इस कारण से कालिक बाजार केन्द्रों की वितरण का यादृच्छिक प्रतिरूप है। कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी में कालिक बाजार केन्द्रों का वितरण में सार्थक है। इसलिए कालिक बाजार केन्द्रों का दिन के अनुसार औसत दूरी (कि.मी.) के आधार पर बाजार केन्द्र के वितरण असमानवितरण पाया गया है।बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों पर सोमवार से रविवार तक का अगल अलग दिनों का औसत दूरी के आधार पर समान दिवस 24.24 कि.मी. प्राप्त किया गया। बेमेतरा जिला में कालिक दूरियों दूरी बढ़ने पर स्थानिक दूरी कम होती है और स्थानिक दूरी अधिक होने के साथ–साथ कालिक दूरी कम होती जाती है।बाजार केन्द्र का 100 प्रति वर्ग कि.मी. के आधार पर अधिकतम, उच्च, मध्यम एवं अल्प बाजार का घनत्व पाया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

आजाद, एच. एवं सिंह, पुष्पलता (1994) : ''जबलपुर नगर में विपणन का विकास : एक भौगोलिक" *उत्तर भारत भूगोल पत्रिका*, अंक 1–2, पृष्ठ 53–56,

बघेल, प्रमीला एवं निमोल, मोहन (2016) : "आवर्ती विपणन केन्द्रों का स्थानिक–कालिक विश्लेषण म.प्र. के पश्चिम निमाड़ के विशेष संदर्भ में" *हिन्दी एनल्स नेशनल एसोसिएशन ऑफ ज्याग्रफर्स इंडिया*, अंक 1, पृष्ठ 83–93.

प्रसाद, यदुनंदन (2004) : ''आजमगढ़ जनपद के आवर्ती विपणन केन्द्रों का भू–वैन्यासिक प्रतिरूप'' *उत्तर भारत भूगोल पत्रिका*, अंक–40, पृष्ठ संख्या 18–24,

सिंह, शिव बहादुर (1985) : ''बलिया जनपद में केन्द्र स्थलों का भू–वैज्ञानिक वितरण प्रतिरूप" *उत्तर भारत भूगोल पत्रिका*, अंक 21, संख्या 1, पृष्ठ 30–41,

त्रिवेदी, रेणु (1997) : *विपणन भूगोल*, यूनिवरसिटी बुक हाऊस प्रा.लि. जयपुर।

त्रिवेदी, रेण एवं गुप्ता, संगीता (2003) : "दक्षिण–पश्चिमी मध्य प्रदेश के आदिवासी विपणन केन्द्रों का स्थानिक–कालिक संगठन" *उत्तर भारत भूगोल पत्रिका,* अंक 39, पृष्ठ 57–66,

श्रीवास्तव, हरिओम (1999) : *विपणन भूगोल, सरयूपार मैदान (उत्तर प्रदेश) का प्रतीक अध्ययन* एसोसिऐशन ऑफ मार्केटिंग ज्याग्रफर्स ऑफ इण्डिया, गोरखपुर।

Berry, B.J.L. (1967) : *Geography of Market Centres and Retail Distribution*, Engleweed Cliffs, New Jersey.

Clark, P.J. & Evans F.C. (1954) : "Distance to nearest neighbor as a measure of spatialrelationships in population; *Ecology*," *The Deccan Geographer*, Vol.-35, pp. 445-53.

Davies, L.Loss (1976) : *Marketing Geography*, Mthouen & co. Ltd. Londaon

Jana, M.M. (1986) : "Retail Centres in Lower Silabati Basin," *Geographical Review of India,* Vol.-48 (1), pp.64- 72.

Powar C.T. & Lokhande,T.N (2000): "Spatial Distribution of market Centres in Kolhapur District of Maharastra," *GeographicalReview of India,* Vol.-62, No.-1, pp.71-80.

Saxna, H.M (2004) : Marketing Geography, Rawat Publication, New Delhi.

*****